भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. †*154

सोमवार, 10 मार्च, 2025/19 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मां रामचंडी मंदिर का विकास

†*154. श्री प्रदीप पुरोहित:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के ब्रजराजनगर में धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व वाले मां रामचंडी मंदिर को विकसित करने की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने इस विरासत स्थल का दौरा करने और उक्त स्थल की सुरक्षा, विकास और सौंदर्यीकरण हेतु डीपीआर तैयार करने के लिए विशेषज्ञों का एक प्रतिनिधिमंडल भेजा है;

(घ) क्या सरकार को उक्त स्थल के विकास के लिए ओडिशा राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव/सुझाव प्राप्त हुए हैं; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में अब तक क्या प्रगति हुई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ड.): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्री प्रदीप पुरोहित द्वारा मां रामचंडी मंदिर का विकास के संबंध में दिनांक 10.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †∗154 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में

विवरण

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय "स्वदेश दर्शन" तथा "तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)" और "पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता" की अपनी चालू योजनाओं के माध्यम से ओडिशा राज्य सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्ताव प्राप्त होने पर वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के प्रयासों को संपूरित करता है। इन योजनाओं के अंतर्गत परियोजनएं प्रस्तुत करना निरंतर चलने वाला कार्य है। योजना के अंतर्गत, विकास के लिए परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और इनकी मंजूरी धन की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने, योजना से संबंधित दिशानिर्देशों का पालन करने और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग के अध्यधीन दी जाती है।

(घ) और (ड.): ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के ब्रजराजनगर में मां रामचंडी मंदिर के विकास का कोई प्रस्ताव राज्य सरकार से निर्धारित प्रारूप में प्राप्त नहीं हुआ है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय ने 50.00 करोड़ रु. की लागत से 'पुरी में अवसंरचना विकास' नामक एक परियोजना को मंजूरी दी है और प्रशाद योजना के तहत ओडिशा में विकास के लिए 'चौसठ योगिनी मंदिर, रानीपुर, झरियाल, बलांगीर जिला' और 'मां किचकेश्वरी मंदिर, किचिंग, मयूरभंज जिला' नामक 2 स्थलों की पहचान की गई है। इसके अतिरिक्त, स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत 70.82 करोड़ रु. की लागत की 'गोपालपुर, बर्कुल, सतपाड़ा और तामपारा का विकास' नामक 1 परियोजना मंजूर की गई है और स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत 'कोरापुट' और 'देबरीगढ़' नामक दो स्थलों की पहचान की गई है।

भारत सरकार ने वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के विकास के लिए पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के दिशानिर्देशों के अंतर्गत 23 राज्यों में 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें ओडिशा राज्य की 'हीराकुंड का विकास' और 'सतकोसिया का विकास' नामक 2 परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी लागत क्रमशः 99.90 करोड़ रु. और 99.99 करोड़ रु. है।

*****